कार में पकड़ी नकली शराब पैक करने की मशीन-वारदाना, आठ पेटी नकली शराब भी मिली

मुरैना(नईदुनिया प्रतिनिधि)। मुरैना जिले में नकली शराब का कारोबार ग्रामीण इलाके ही नहीं बल्कि जिला मुख्यालय पर भी हो रहा है। इस बात का पर्दाफाश बीती रात सिविल लाइन थाने की टीम द्वारा की गई कार्रवाई में हुआ है, जिसमें गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने एक कार में नकली शराब बनाने के उपयोग में आने वाली मशीन से लेकर अन्य सामग्री पकड़ी है। कार

Publish Date: | Wed, 23 Feb 2022 11:54 PM (IST)

मुरैना(नईदुनिया प्रतिनिधि)। मुरैना जिले में नकली शराब का कारोबार ग्रामीण इलाके ही नहीं बल्कि जिला मुख्यालय पर भी हो रहा है। इस बात का पर्दाफाश बीती रात सिविल लाइन थाने की टीम द्वारा की गई कार्रवाई में हुआ है, जिसमें गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने एक कार में नकली शराब बनाने के उपयोग में आने वाली मशीन से लेकर अन्य सामग्री पकड़ी है। कार में 8 पेटी नकली शराब भी मिली है।

मंगलवार-बुधवार की रात महराजपुरा रोड पर रात्रि गश्त कर रही पुलिस टीम को नहर के नरुआ के पास एक कार जाती दिखी। जैसे ही पुलिसकर्मी मोहित शुक्ला व मुनेंद्र सिंह ने इस कार को रोकना चाहा तो कार चला रहा युवक कार को मोड़कर तेजी से भगाने लगा। पुलिसकर्मियों ने थाने की बोलेरो गाड़ी से स्विफ्ट कार क्रमांक एम 07 सीडी 5712 का पीछा किया और रफ्तार में जा रही कार को टक्कर मारके रोका। इस टक्कर से कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इस कार की तलाशी ली गई तो, पीछे डिग्गी में एक बोरे में 8 पेटी देसी शराब की मिलीं। इसके अलावा गाड़ी की तलाशी ली तो उसमें शराब की बोतल पैक करने वाली हेंड आपरेट मशीन, एक बोरे में देसी शराब के पउआ की खाली बोतलें, दूसरी बोरी में आबकारी विभाग के नाम के स्टीकर व शराब बोतलों के ढक्कन और माप करने वाले उपकरण भी मिले हैं। यह कार्रवाई करने वाले पुलिसकर्मियों को एसपी ने रात में ही 500-500 रुपये के इनाम का ऐलान वायरलैस पर कर दिया।

मुरैना में और भी हैं ऐसे नकली शराब के प्लांटः

नकली शराब बनाने वाली सामग्री के साथ पकड़े गए आरोपित की पहचान पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के पीछे रहने वाले मोनू पुत्र वीरेन्द्र भारद्वाज के तौर पर हुई है। पता चला है कि मोनू भारद्वाज लंबे समय से नकली शराब बनाने के अलावा अवैध शराब की तस्करी में लिप्त है। पुलिस ने यह जानना चाहा कि नकली शराब बोतल पैक करने का यह उपकरण उसे कहां से मिला तो, आरोपित मोनू ने मुरैना के ही किसी दीपू का नाम बताया है, पुलिस इस दीपू की तलाश में जुटी है। इस कार्रवाई से यह भी तय हो गया कि मुरैना जिला मुख्यालय पर कुछ और जगहों पर नकली शराब का कारोबार चल रहा है, लेकिन पुलिस इस अवैध धंधे की कितनी कड़ियों को खोल पाती है, यह समय पर निर्भर है।

Source: https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/morena-morena-news-7316575